तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, गुरुवार 9 जुलाई 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

3 मछली पकड़ने गये अधेड़ की डूबने से मौत, 48 घंटे बाद मिली लाश

खबर संक्षेप

तहसील कार्यालय बरपाली का बाबू निलंबित

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने तहसील कार्यालय बरपाली में नकल शाखा के कार्यों में लापरवाही बरतने के मामले में अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए सहायक ग्रेड-3 एवं नकल शाखा प्रभारी लिपिक घनश्याम सिंह कंवर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कलेक्टर ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शासकीय कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही एवं अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। शिकायत प्राप्त होने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय करतला, जिला कोरबा निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, 31 तक किसान करा सकते हैं फसल बीमा

कोरबा। खरीफ सीजन के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, असमय वर्षा, सूखा, ओलावृष्टि, कीट प्रकोप और अन्य जोखिमों से फसल को होने वाली क्षति के विरूद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को स्थिरता प्रदान करना और खेती को एक सुरक्षित व लाभकारी व्यवसाय बनाना है। इस योजना के अंतर्गत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वचलित रूप से कर दिया जायेगा। बशर्ते उन्होंने खरीफ के लिए फसल ऋण लिया हो। लेकिन अऋणी कृषकों को इस योजना का लाभ उठाने स्वयं पहल करनी होगी एवं आवेदन करना होगा।

जिला मार्गदर्शन केन्द्र में रोजगार मेला 15 को

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में रोजगार मेला का आयोजन 15 जुलाई को किया जा रहा है। जिसमें नियोजकों -एन.आई.आई. टी.कोरबा, स्वतंत्र माइक्रोफाईनेंस लिमिटेड रायपुर, आश्रव फाउंडेशन आश्रव सिक्योरिटी एण्ड एच.आर. सर्विसेस, प्राईवेट लिमिटेड रायपुर, एस.बी.इंटरप्राईजेस कोरबा, और श्रमिन टैलेंट प्राईवेट लिमिटेड कोरबा द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रिक्तियों में असिस्टेंट मैनेजर टैनी, फिल्ड आफिसर, कलेक्शन आफिसर, सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाईजर, असिस्टेंट नर्स, केयर टेकर, हाउस कीपिंग स्टाफ, टेक्नीशियन, फिल्ड सर्विस इंजीनियर, कुल 813 पद, योग्यता - स्नातक, आई.टी.आई. आयुसीमा- 18-60 वर्ष तक एवं वेतनमान रूपये 10 हजार से 32 हजार तक नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है। उक्त रिक्त पद कोरबा के लिए है।

आवारा पशुओं ने किसानों की बढ़ाई मुसीबत

कोरबा। एक तरफ देरी से आए मानसून से किसान परेशान हैं वहीं दूसरी ओर किसानों को आवारा पशुओं की चिंता सता रही है। सैकडों की संख्या घूम रहे पशु यदि किसी भी खेत में पहुंच गये तो समझो उस फसल का क्या होगा समय रहते यदि पशुओं का उचित प्रबंध नहीं किया गया तो किसानों की उपज पर प्रभाव पडेगा। पिछले वर्ष कुछ ग्राम पंचायतों ने तो अपने तरफ से गौठान में पशुओं की व्यवस्था की है परंतु कुछ पशुओं के मृत होने पर उसका खामियाजा भी भुगतना पड़ा जिस वजह से इस वर्ष पंचायत द्वारा हाथ खींच लिया गया। शासन द्वारा कुछ ग्राम पंचायतों में गोधाम योजना के तहत पशु प्रबंधन की व्यवस्था की गई है परंतु सड़क में चलने वाले वाहन चालक भी इससे अछूते नहीं है। आए दिन पशुओं के कारण दुर्घटनायें हो रही है। नेशनल हाइवे पर विचरण करने वाले लावारिस मवेशियों की संख्या दिनों दिन बढती देखी जा सकता है जो हमेशा सड़क पर बैठे रहते हैं जिससे दुर्घटना होने की सम्भावना हमेशा बनी रहती है।

रेलवे ने हसदेव पुल में लगाए आधुनिक वाटर लेवल सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मानसून के दौरान रेलवे पुलों पर नदियों के जलस्तर की सतत एवं सटीक निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आधुनिक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम को अपनाया गया है। सेंसर आधारित यह अत्याधुनिक प्रणाली वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 12 महत्वपूर्ण रेलवे पुलों पर स्थापित की गई है। यह प्रणाली 24 घंटे रियल-टाइम में जलस्तर की निगरानी करते हुए संरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पूर्व में नदियों के जलस्तर का आकलन पारंपरिक मीटर गेज प्रणाली के माध्यम से किया जाता था, जिसमें मैनुअल रीडिंग लेने के कारण सूचना प्राप्त होने में विलंब तथा त्रुटि की संभावना बनी रहती थी। अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में समय पर जानकारी उपलब्ध न होने से रेलवे ट्रैक एवं पुलों की संरक्षा का त्वरित आकलन करना चुनौतीपूर्ण होता था। जैसे ही नदी का जलस्तर पूर्व निर्धारित चेतावनी अथवा खतरे के स्तर तक पहुँचता है अथवा उसमें महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है, सिस्टम स्वतः संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं के मोबाइल फोन पर तत्काल एसएमएस अलर्ट भेज देता है। इससे आवश्यक सुरक्षा उपाय समय रहते लागू किए जा सकते हैं तथा रेल परिचालन को संरक्षित बनाए रखने में सहायता मिलती है। यह सिस्टम कोरबा–गेवरा रोड स्टेशनों के मध्य रेलवे पुल क्रमांक 63 डाउन एवं नैला–चांपा स्टेशनों के मध्य हसदेव नदी पर रेलवे पुल क्रमांक 46 डाउन पर स्थापित किया गया है।

बढ़ते जलस्तर से होने वाली खतरे की मिलेगी सूचना

खास बातें
- पूर्व में गेज प्रणाली से ली जाती थी जलस्तर की मैनुअल रीडिंग
- 24 घंटे रियल टाइम होगी निगरानी

ट्रेलर मालिक ही अपने कंडम वाहनों को क्रेन से खींचकर ले गए यार्ड

क्रेन देखते ही जागे ट्रेलर मालिक, राताखार-इंदिरा स्टेडियम मार्ग से हटाए गए कंडम वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

इंदिरा स्टेडियम से लेकर राताखार जोड़ा पुल के समीप सड़क किनारे लंबे समय से कबाड़ बन चुके वाहनों का डेरा अब साफ हो गया है।

खास बात
- यातायात पुलिस, नगर निगम व परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने की कार्यवाही

जोड़ा पुल के समीप कार्यवाही के दौरान संयुक्त टीम।

बुधवार को जब नगर निगम, यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम भारी-भरकम क्रेन लेकर सड़क पर उतरी, तो ट्रेलर मालिकों में हड़कंप मच गया। जो वाहन मालिक महीनों से अल्टीमेटम को नजरअंदाज कर रहे थे, वे क्रेन देखते ही खुद के क्रेन (टोइंग वाहन) बुलाकर अपने कंडम ट्रेलर समेटने लगे और सीधे अपने यार्ड में ले गए। इस कार्रवाई के बाद आखिरकार यह व्यस्त मार्ग पूरी तरह बहाल हो गया है और राहगीरों ने राहत की सांस ली है।

गौरतलब है कि इंदिरा स्टेडियम से राताखार जोड़ा पुल वाले मार्ग पर ट्रेलर मालिकों ने लंबे समय से अपने कंडम और खराब वाहनों को लावारिस हालत में सड़क के किनारे पार्क कर दिया था। जिसकी वजह से इन भारी-भरकम वाहनों के कारण सड़क की चौड़ाई आधी रह गई थी। रात के वक्त इस मार्ग पर अंधेरे के कारण अक्सर हादसे हो रहे थे। स्थानीय निवासियों और राहगीरों को इस मार्ग से गुजरने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। यातायात पुलिस और नगर निगम की टीम ने पहले भी कई बार ट्रेलर मालिकों को मौखिक और लिखित अल्टीमेटम दिया था, लेकिन वाहन मालिकों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ रहा था। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर बुधवार की दोपहर यातायात डीएसपी डीके सिंह, सउनि मनोज राठौर, नगर निगम से इंजी सोमनाथ और परिवहन विभाग से टीआई मिथलेस सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंचे और क्रेन के साथ मौके पर पहुंच गई। टीम को क्रेन के साथ कार्रवाई के लिए तैयार देख ट्रेलर मालिकों के तेवर ढीले पड़ गए। प्रशासन द्वारा भारी जुर्माना लगाने और वाहनों को जब्त करने की भनक लगते ही ट्रेलर मालिक आनन-फानन में खुद सामने आए। उन्होंने तुरंत अपने-अपने निजी क्रेन और मैकेनिक बुलाए और सड़क पर खड़े कबाड़ वाहनों को खींचकर अपने यार्ड में ले जाना शुरू कर दिया। संयुक्त कार्रवाई के दौरान लगभग एक दर्जन से अधिक बड़े और कंडम ट्रेलर सड़क किनारे से हटाए गए। अधिकारियों का कहना है कि यदि वाहन मालिक खुद गाड़ियां नहीं हटाते, तो प्रशासन उन्हें जब्त कर निगम की कस्टडी में ले लेता और उन वाहनों को इंदिरा स्टेडियम में खड़ा किया गया। बताया जाता है कि जोड़ा पुल के समीप ठेला गुमटी लगाने वालों को दो दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। यदि दो दिन के भीतर ठेला नहीं हटाया जाता है तो उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

पड़ोसी जिले से पहुंचा दंतैल हाथी तरईनार में मकानों को किया ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कटघोरा वनमंडल के वन परिक्षेत्र पसान अंतर्गत ग्राम तरईनार एवं पिपरहा गांव में मंगलवार की हाथियों के झुंड ने एक दंतैल हाथी झुंड से

खास बात
- कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज में डाला हुआ है डेरा

अलग होकर जीपीएम जिले से कटघोरा वन मंडल के पसान रेंज जा धमका है। इस दौरान दंतैल हाथी ने कई मकानों को ध्वस्त कर दिया है हांलाकि वन विभाग की टीम पूरी रात अलर्ट मोड पर रही और दंतैल हाथी को लगातार जंगल की ओर खदेड़ते रहे जिससे कोई बड़ी जन धन की हानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार पड़ोसी जिले जीपीएम से एक दंतैल हाथी ने बीती रात को कटघोरा वन मंडल के पसान वन परिक्षेत्र पहुंच गया था और गांव में जमकर उत्पात मचाया है और कई कच्चे मकानों की दीवारें और छप्पर क्षतिग्रस्त कर दिया है। इतना ही नहीं दंतैल हाथी ने घरों के आसपास रखे घरेलू सामान को भी क्षति पहुंचाया है। घटना से प्रभावित परिवारों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि देर रात अचानक हाथी के चिंघाडऩे और मकानों को तोडऩे की आवाज सुनाई दी, जिससे पूरा गांव दहशत में आ गया। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग दंतैल के डर से रतजग्गा करने को मजबूर रहे। कई परिवारों ने रात खुले स्थानों अथवा अन्य सुरक्षित घरों में बिताई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। अधिकारियों और कर्मचारियों ने दंतैल की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखते हुए बाहर जंगल की ओर खदेडऩे का प्रयास किया जिसमें उन्हें सफलता मिली।

जंगल में पुटू निकालने गए दंपती बिच्छू के डंक से पति की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खेतार में जंगल गए एक युवक की

खास बातें
- बालको थाना क्षेत्र के ग्राम खेतार का मामला
- ससुराल में हुई घटना, जांच में जुटी पुलिस

संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई हैं। परिजनों ने बिच्छू के दंश से मौत होने की आशंका जताई हैं। घटना की जानकारी बालको पुलिस को दी गई, मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दी है।

करतला बरकोनहा निवासी नंदलाल मँझवर अपनी पत्नी के साथ अपने ससुराल ग्राम खेतार आया हुआ था, जहां मंगलवार को दोपहर 1 बजे के करीब बारिश थमने के बाद पति पत्नी ने जंगल में मशरूम (पुटू) निकालने गये थे जहां जंगल में मशरूम निकालने के दौरान नंदलाल मँझवार को कुछ काटने का अहसास हुआ, उसने इसकी जानकारी अपनी पत्नी को देते हुए बिच्छू द्वारा काटे जाने की बात कहीं। आनन फानन में दंपति वापस घर लौटे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। घर पहुंचते ही कुछ समय बाद नंदलाल की मौत हो गई लेकिन जान बचे होने की उम्मीद से ग्रामीणों ने झाड़ फूंक का सहारा लिया लेकिन बैगा ने भी उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही कर शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

मकान में निकला 4 फीट कोबरा, सुरक्षित किया रेस्क्यू

कोरबा। लगातार हो रही बारिश के चलते बालको के सेक्टर-6 स्थित एक मकान में लगभग 4 फीट लंबा विषैला कोबरा सांप निकलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घर के लोगों ने तत्काल बालको के स्नेक रेस्क्यूर टीनू आनंद को सूचना दी। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और पूरी सावधानी के साथ कोबरा का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया।

पंद्रह दिन से अंधेरे में गांव, महिलाओं ने बिजली कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मड़वारानी

बरपाली सब स्टेशन अंतर्गत ग्राम पंचायत पहंदा के आश्रित गांव सराईडीह में पिछले 15 दिनों से

खास बात
- पहंदा के आश्रित ग्राम सरईडीह का मामला, प्रदर्शन के बाद अधिकारी व कर्मचारी पहुंचे गांव

बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहने से ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने पर बुधवार सुबह ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं का सब्र टूट गया और वे बरपाली स्थित बिजली कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गईं।

कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते ग्रामीण महिलाएं।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बिजली नहीं रहने से सबसे अधिक परेशानी पेयजल को लेकर हो रही है। सभी हैंडपंप बोर से संचालित होने के कारण बिजली के अभाव में पानी की आपूर्ति बाधित रही। वहीं बरसात के मौसम में अंधेरा रहने से सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का खतरा भी बना हुआ है, जिससे ग्रामीण भय के साये में जीवन बिताने को मजबूर हैं। धरने पर बैठीं महिलाओं ने कहा कि जब तक गांव की बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाती, तब तक वे आंदोलन समाप्त नहीं करेंगी। उनका आरोप है कि तीन बार शिकायत करने के बावजूद विभाग के अधिकारियों ने गंभीरता नहीं दिखाई। इतना ही नहीं, अधिकारी और कर्मचारी फोन तक नहीं उठाते, जिससे ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति भारी नाराजगी है। ग्रामीणों के धरने के बाद बिजली विभाग हरकत में आया और तत्काल तकनीकी टीम भेजकर खराबी दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में अर्थिंग संबंधी तकनीकी खराबी के कारण गांव में बिजली सप्लाई बाधित थी। खराबी को दूर कर दिया गया है और अब बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई है।

सहकारी समितियों में बीते दो वर्ष से चल रहे हैं माइक्रो एटीएम

माइक्रो एटीएम से किसानों को अब मिलेंगे 20 हजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सहकारी समितियों में मौजूद माइक्रो एटीएम से किसानों को अब 20 हजार रुपए की राशि मिल सकेगी। पूर्व में 10 हजार रुपए की राशि ही दिए जाने का प्रावधान था। इस वर्ष यह राशि बढ़ा दी गई है। धान बिक्री के समय किसानों को तत्काल नगद सुविधा के तौर पर दो वर्ष पूर्व यह सुविधा शुरू की गई थी।

सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम सहित अन्य सुविधाएं देकर अपडेट किया जा रहा है। वर्तमान में संचालित 60 सहकारी समितियों में 41 समितियां पूरी तरह अपडेट हो

चुकी हैं। जहां च्वाइस सेंटर का संचालन भी होने लगा है। सभी समितियां पूरी तरह कम्प्यूटरीकृत किये जाने के बाद से इनके रिकार्ड ऑनलाइन होने से पूर्व में होने वाली वित्तीय गड़बड़ियों पर रोक लगी है। समितियों को अपडेट करने की दिशा पर इस वर्ष से जिला सहकारी बैंक प्रबंधन के द्वारा भी नई पहल करते हुए माइक्रो एटीएम से मिलने वाली 10 हजार रुपए की राशि को बढ़ाकर 20 हजार रुपए कर दिया गया है। किसानों ने इस राशि को बढ़ाने की मांग बैंक प्रबंधन से की थी। माइक्रो एटीएम की शुरुआत धान खरीदी के दौरान तत्कालीन तौर पर नगद राशि की सुविधा देने के उद्देश्य से की गई थी। जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आने के कारण इस सुविधा और अपडेट किया जा रहा है।

इस वर्ष से नई समितियां आई थी अस्तित्व में

बीते वर्ष धान खरीदी के दौरान नई समितियों का गठन तो हो चुका था, किन्तु उसको पूरे अधिकारी नहीं दिए जाने से उनका संचालन पुरानी समितियों के द्वारा ही किया जा रहा है। इस वर्ष से सभी 19 नई समितियों को स्वतंत्र कर दिया गया है। उनके अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामों की सूची और जमीन संबंधी रिकार्ड भी हस्तांतरित कर दिए गए हैं। माइक्रो एटीएम की सुविधा भी इन नई समितियों में पुरानी समितियों की तरह उपलब्ध रहेगी।

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
ITI KORBA
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T.
New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
सेकेण्ड फ्लोर, एस.एस. प्लाजा, पावर हाउस रोड, कोरबा (छ.ग.)
89595-93920 • 89595-44444

खबर संक्षेप

शराब दुकान हटाने हनुमान चालीसा पाठ कर किया विरोध

कोरबा। बालको मार्ग स्थित वाल्मीकि आश्रम के सामने संचालित देशी शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर स्थानीय सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्रवासियों का विरोध लगातार जारी है। मंगलवार को बड़ी संख्या में लोगों ने शराब दुकान के सामने एकत्र होकर हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया और प्रशासन से दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग दोहराई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आश्रम एवं धार्मिक स्थल के सामने शराब दुकान संचालित होने से श्रद्धालुओं, महिलाओं और बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। उनका आरोप है कि यहां आने-जाने वालों को शराबियों की गतिविधियों के कारण परेशानी होती है, जिससे धार्मिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि जब तक शराब दुकान को यहां से नहीं हटाया जाता, तब तक प्रत्येक मंगलवार को इसी तरह शांतिपूर्ण ढंग से हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध प्रदर्शन जारी रखा जाएगा।

सचिव की मनमानी से पंचायत के विकास कार्य हो रहे प्रभावित

कोरबा। ग्राम पंचायत जुनवानी के सचिव की कथित कार्यशैली को लेकर जिला सरपंच संघ, कोरबा ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सचिव पर मनमानी और पंचायत के विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाया है। ज्ञापन में संघ ने बताया है कि ग्राम पंचायत जुनवानी के सचिव द्वारा शासकीय कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है, जिससे पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। आरोप है कि सचिव के रवैये से जनप्रतिनिधियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित सचिव के खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पिछले एक सप्ताह में 41 लोगों पर हुई आबकारी की कार्रवाई

कोरबा। पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन एवं अवैध शराब बिक्री संबंधी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पिछले एक सप्ताह के दौरान जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में आबकारी अधिनियम की धारा 36 (च) के तहत कुल 41 प्रकरणों में वैधानिक कार्रवाई की गई। कोरबा पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाती रहेगी। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन की सूचना तत्काल अपने निकटतम थाना, डायल 112 अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें। आपकी पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

किनारा स्टोर में चोरों का धावा, हजारों का माल ले उड़े चोर, मामला दर्ज

मड़वारानी। उरगा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरेना मड़वारानी में अज्ञात चोरों द्वारा मंगलवार की रात पोर्ते किराना जनरल स्टोर में नगदी एवं किराना समानों की चोरी कर ली गई है। दुकान संचालक के मुताबिक चोरों ने दुकान में रखे कीमती सामान रखे लगभग 40 हजार के सामानों की चोरी की है। हालांकि चोरों की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दुकान संचालक ने मामले की शिकायत पुलिस से की है जिस पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मौके से मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की छानबीन शुरु कर दी है। उरगा क्षेत्र में पिछले कई दिनों में चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी है।

बिजली कर्मचारी महासंघ ने 17 अगस्त से दी कामबंद हड़ताल की चेतावनी

कोरबा। राज्य शासन ने जल्द पुरानी पेंशन सहित अन्य लंबित मांगों पर फैसला नहीं लिया तो बीएमएस से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ (महासंघ) 10 जुलाई को राज्य बिजली कंपनी मुख्यालय के सामने आमसभा करेगा। इसके बाद भी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होने पर 17 अगस्त से कामबंद हड़ताल की जाएगी। हालांकि सीएम विष्णुदेव साय ने महासंघ के प्रतिनिधिमंडल से बिजली कर्मियों की लंबित मांगों पर चर्चा की है। बीएमएस के विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल के नेतृत्व में महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम साय से बिजली कर्मियों की मांगों पर चर्चा की। संगठन पहले ही चरणबद्ध आंदोलन का नोटिस दे चुका है।

निधन

मोहम्मद निजामुद्दीन अंसारी

कोरबा। इंदिरा नगर बांकीमोगरा निवासी अधिवक्ता मोहम्मद निजामुद्दीन अंसारी उम्र लगभग 63 वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया है वे कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उन्हें 9 जुलाई को बांकीमोगरा ईदगाह कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-ख़ाक किया जाएगा। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बेघर परिवारों को स्थायी आशियाना उपलब्ध कराना था उद्देश्य

पीएम आवासों में किराएदारों का कब्जा हितग्राहियों ने बनाया कमाई का जरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना के कई आवास इन दिनों अपने वास्तविक उद्देश्य से भटकते नजर आ रहे हैं। जिन मकानों का निर्माण आर्थिक रूप से कमजोर और बेघर परिवारों को स्थायी आशियाना उपलब्ध कराने के लिए किया गया था, वहां अब बड़ी संख्या में किरायेदार निवास कर रहे हैं। इससे यह सवाल खड़ा हो रहा है कि आखिर योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है या फिर कुछ सक्षम हितग्राही इसे कमाई का जरिया बना चुके हैं।

जानकारी के अनुसार अनेक हितग्राही स्वयं अन्य स्थानों पर निवास करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले मकानों को बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया और पुलिस सत्यापन के किराये पर देकर दोहरा लाभ उठा रहे हैं। एक ओर वे शासन की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ ले रहे हैं, वहीं दूसरी ओर किराया वसूलकर आर्थिक फायदा भी कमा रहे हैं। इतना ही नहीं निगम द्वारा निर्धारित रखरखाव एवं अन्य शुल्क का भी नियमित भुगतान नहीं किया जा रहा है, जिससे निगम को राजस्व की हानि हो रही है। इससे यह भी प्रतीत होता है कि संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर प्रभावी निरीक्षण और सत्यापन नहीं किए जाने के कारण ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। सबसे गंभीर मामला बिजली चोरी का सामने आ रहा है। आरोप है कि कुछ आवासों में खुलेआम अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग के स्पॉट बिलिंग कर्मियों को भी इन गतिविधियों की जानकारी है, इसके बावजूद दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल शासन के राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाला मामला है, बल्कि ईमानदारी से बिजली बिल चुकाने वाले उपभोक्ताओं के साथ भी अन्याय है।

आवासों का भौतिक सत्यापन जरूरी

प्रधानमंत्री आवासों का भौतिक सत्यापन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वास्तविक हितग्राही ही उनमें निवास कर रहे हैं। बिना पुलिस सत्यापन के किरायेदार रखने वाले हितग्राहियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जिन लोगों ने योजना की शर्तों का उल्लंघन कर आवास किराये पर चढ़ा दिए हैं, उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए आवश्यक होने पर आवास का आवंटन निरस्त किया जाए। नगर निगम के बकाया शुल्क की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

ट्रेलर चालकों की लापरवाही से लोगों की जान खतरे में

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदीबाजार

हरदीबाजार-दीपका बाईपास मार्ग में छोटी वाहनों जैसे बाईक, साईकिल व चार पहिया वाहनों वहीं बड़ी वाहनों, जिसमें मालवाहक, बस अन्य वाहनों के लिए डिवाइडर बनाकर अलग-अलग किया गया है, जिससे आवागमन सुगम व सुरक्षित रहे लेकिन कुछ लापरवाह ट्रेलर चालकों की मनमानी इस मार्ग मे आवागमन करने वालों की जान पर बन आती है।

आए दिन छोटी वाहनों के लिए बने सड़क पर लापरवाह ट्रेलर चालक जबर घुसा देते हैं, जिससे सड़क सकरा हो जाती है जबकि भारी वाहनों के लिए पर्याप्त व सुगम सड़क होने के बावजूद लापरवाही की हद है, कुछ ऐसा ही आज दोपहर आमगांव चौक से दीपका बाईपास मार्ग पर ट्रेलर क्रमांक सीजी 10बीजी 5419 के चालक ने जबरदस्ती लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए छोटी वाहन चलाने वाले सड़क पर दबाब बढ़ाते हुए घुसा दिया जिससे छोटी वाहनों की आवाजाही में काफी परेशानी के साथ दुर्घटना की भी संभावना बनी रही, इसी मार्ग से हरदीबाजार निवासी गोपाल यादव अपनी कार से सामने से आ रहे थे। जिन्होंने ट्रेलर चालक को जमकर फटकार लगाते हुए उसे वापस अपने मार्ग में चलने को कहा तब जाकर बड़ी मुश्किल से ट्रेलर चालक ने ट्रेलर मोड़कर भारी वाहन मार्ग पर गया। लोगों का कहना है कि दीपका थाना चौक व आमगांव चौक पर बेतरतीब तरीके से बडी संख्या में भारी वाहन खड़े रहते है, जिससे सड़क जाम के साथ दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है, इस पर दोनों स्थानीय पुलिस प्रशासन व यातायात विभाग को ऐसे लापरवाही करने वाले वाहन चालकों पर कड़ी कार्रवाई करें। जिससे लोगों को सुगम व सुरक्षित आवागमन करने को मिले ।

दीपका के वार्ड 11 में बोरवेल का भूमिपूजन पेयजल संकट से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गेवरा-दीपका

भूमिपूजन करते पार्षद व अन्य।

नगर पालिका दीपका के वार्ड क्रमांक 11 में लंबे समय से पेयजल समस्या से जूझ रहे रहवासियों को राहत दिलाने की दिशा में बोरवेल खनन कार्य की शुरुआत की गई। वार्ड के पार्षद एवं पीआईसी सदस्य अविनाश सिंह की मौजूदगी में बोरवेल खनन के लिए भूमिपूजन किया गया।

भूमिपूजन में वार्ड के वरिष्ठ नागरिक गणेश पंडित, दिलीप, अनिल चौरसिया और बृजेश शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ कराया। अविनाश सिंह ने बताया कि वार्ड में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। बोरवेल खनन पूरा होने के बाद वार्डवासियों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और गर्मी के दिनों में होने वाली परेशानी से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वार्ड की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जा रहा है। इस दौरान भाजपा नेता अभिषेक सिंह सहित वार्ड के कई रहवासी उपस्थित रहे।

कटघोरा को जिला बनाने वकिलों ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ता।

कटघोरा को पूर्ण जिला का दर्जा दिए जाने की दशकों पुरानी मांग को लेकर अधिवक्ता संघ ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। क्षेत्र में हो रही मुसलाधार बारिश के बीच कार रैली निकालकर अधिवक्ताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। बरसते मौसम के बीच अधिवक्ता संघ कटघोरा ने कसनिया स्थित अहरन नदी से एसडीएम कार्यालय तक एक विशाल कार रैली निकाली। रैली के समापन पर अधिवक्ताओं ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर कटघोरा को अविलंब जिला घोषित करने की मांग की।

अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व निर्धारित योजना के तहत जिला बनाने की मांग को लेकर एक बड़ी बाइक रैली निकालने की तैयारी की गई थी। लेकिन लगातार हो रही झमाझम बारिश और खराब मौसम को देखते हुए रणनीति में बदलाव किया गया। मुख्यमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में अधिवक्ता संघ ने कटघोरा को जिला बनाने के पक्ष में कई ऐतिहासिक और प्रशासनिक तर्क प्रस्तुत किए हैं ऐतिहासिक और न्यायिक पृष्ठभूमिः कटघोरा तहसील की स्थापना ब्रिटिश काल में सन 1912 में हुई थी, जबकि यहाँ व्यवहार न्यायालय की स्थापना सन् 1963 से प्रभावी है। कटघोरा जिला मुख्यालय न होने के कारण क्षेत्र के नागरिकों को छोटे-बड़े राजस्व और प्रशासनिक कार्यों के लिए जिला मुख्यालय कोरबा के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उनका समय और धन दोनों बर्बाद होता है।

बालको ने ऐश डाइक में की मॉकड्रिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मॉक ड्रिल में शामिल बालको के अधिकारी कर्मचारी।

बालको ने जामबहार गांव, एचटी टॉवर क्षेत्र स्थित ऐश डाइक-2 में आपातकालीन मॉकड्रिल का आयोजन किया। अभ्यास का उद्देश्य डाइक सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली की प्रभावशीलता का आकलन करना एवं विभिन्न टीमों की आपदा प्रबंधन तैयारियों को परखना था।

मॉकड्रिल के दौरान भारी बारिश और बादल फटने जैसी स्थिति के कारण डाइक के ऊपर से पानी बहने और उसके क्षतिग्रस्त होने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन सायरन बजाया गया और साइट इमरजेंसी प्लान के अनुसार सभी आवश्यक कार्रवाई तुरंत शुरू कर दी गई। अभ्यास के दौरान बचाव, राहत एवं सहयोगी टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित किया। काल्पनिक रूप से घायल व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। साथ ही, उपकरणों को सुरक्षित रूप से बंद किया गया, पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की गई तथा सभी कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। सभी निर्धारित कार्रवाई सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद स्थिति को पूरी तरह सामान्य घोषित कर दिया गया। मॉक ड्रिल का अवलोकन प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभिन्न हितधारकों ने किया। इस दौरान नायब तहसीलदार दीपक पटेल, बालको थाने से अजय सिंह एवं उनकी टीम तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय से रोहित कुमार, बालको के डिप्टी सीईओ मंतोष कुमार सिंहा की अगुवाई में संयंत्र के मुख्य ऑपरेशन एडं मेंटेनेंस मंयक श्रीवास्तव सहित प्रमुख अधिकारी, अनिल कुमार मिश्रा, मुकुंद जी एडगांवकर, बी. शिवाकुमार, प्रिंसी जॉन तथा भारतेंदु कमल पांडे शामिल रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प का निरीक्षण पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और संक्रमण नियंत्रण व्यवस्था को परखने के लिए राज्य एवं संभाग स्तरीय कायाकल्प मूल्यांकन टीम ने दो दिवसीय निरीक्षण किया। 6 एवं 7 जुलाई को टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा, पाली, पोड़ी उपरोड़ा, करतला तथा रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का विस्तृत निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया।

निरीक्षण दल में डॉ. गायत्री बांधी (संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं बिलासपुर), डॉ. रेणुका सामुएल (स्त्रीरोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रदीप टंडन (एसपीएम, रायपुर), डॉ. ऋषिकेश रात्रे (संभागीय क्वालिटी कंसल्टेंट) एवं डॉ. देवेंद्र गुर्जर (हॉस्पिटल कंसल्टेंट) शामिल रहे। टीम ने अस्पतालों में स्वच्छता, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, संक्रमण नियंत्रण, ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, प्रयोगशाला, एक्स-रे कक्ष, दवा वितरण केंद्र, स्टोर, पेयजल एवं शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से उपचार, दवाइयों और भोजन की गुणवत्ता को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश, जिला कार्यक्रम प्रबंधक पद्माकर शिंदे, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक ज्योत्सना ग्वाल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के खंड चिकित्सा अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मूल्यांकन टीम ने अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गुणवत्ता में निरंतर सुधार और मरीजों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मोर गांव -मोर पानी अभियान के तहत जल संरक्षण एवं जलसंवर्धन के बताए गए लाभ

हरिभूमि न्यूज : कोरबा

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मंगलवार को रोजगार सह आवास दिवस जनभागीदारी के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम, जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन तथा ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में जिले की ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मोर गांव–मोर पानी अभियान के अंतर्गत निर्मित नवा तरिया सहित अन्य जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्यों के महत्व से ग्रामीणों को अवगत कराया गया तथा वर्षा जल संचयन, भू-जल संवर्धन और सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लाभ बताए गए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को निर्माण सामग्री आपूर्ति से जोड़ने तथा डीलर दीदी इनिशिएटिव के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार एवं लखपति दीदी बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रोजगार सह आवास दिवस के दौरान विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्य की मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने, मनरेगा के अपूर्ण कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करने, श्रमिकों के शेष ई-केवाईसी, लंबित जियो टैगिंग तथा आजीविका डबरी जैसे कार्यों को गति देने पर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि आजीविका डबरियां ग्रामीणों के लिए सिंचाई, मत्स्य पालन और अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं।

सेजस विद्यालय बांकीमोंगरा में छात्राओं को पालिका अध्यक्ष ने किया साइकिल वितरण

छात्रों को साइकिल का वितरण करते अतिथि व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बांकीमोंगरा

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना के अंतर्गत बुधवार को पीएम श्री स्वामी आत्मानंद हिंदी व अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय बांकीमोंगरा में अध्ययनरत कक्षा नवमी की छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा की अध्यक्ष श्रीमती सोनी कुमारी झा थीं जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति (एसएमडीसी) के अध्यक्ष अजीत कैवर्त ने की। इस अवसर पर पार्षद लोकनाथ सिंह तंवर, विधायक प्रतिनिधि जनक राम यादव, हनुमान पाण्डेय एवं उदय शर्मा भाजपा मंडल अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्राओं को साइकिलें वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि श्रीमती सोनी कुमारी झा ने कहा कि राज्य शासन की सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस योजना से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी तथा शिक्षा के प्रति उनका आत्मविश्वास और उत्साह भी मजबूत होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अजीत कैवर्त ने कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। शासन द्वारा प्रदान की गई यह सुविधा छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने छात्राओं से अनुशासन, परिश्रम और लगन के साथ अध्ययन कर अपने परिवार, विद्यालय और समाज का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्था में हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों तथा विद्यालय स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हेल्थ प्लस

रामखिलावन के लिए उम्मीद की किरण बना शिवाय हॉस्पिटल

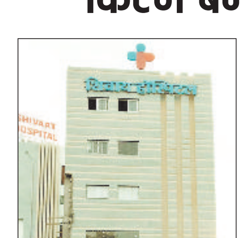

कोरबा। कई अस्पतालों के चक्कर लगाने के बाद जब 31 वर्षीय रामखिलावन की उम्मीद लगभग टूट चुकी थी, तब नया बस स्टैंड स्थित शिवाय हॉस्पिटल उसके लिए जीवन की नई उम्मीद बनकर सामने आया। अत्यधिक शराब सेवन के कारण उसके स्वादुपिंड (पैंक्रियाज) के पास पैनक्रिएटिक सूडोसिस्ट बन गया था, जिसमें करीब डेढ़ लीटर तरल पदार्थ जमा हो चुका था। गैस्ट्रो सर्जन डॉ. हिमांशु कोल्हे ने समय रहते जटिल सिस्टोगैस्ट्रोस्टॉमी सर्जरी कर मरीज की जान बचा ली।31 वर्षीय रामखिलावन पिछले करीब एक वर्ष से लगातार असहनीय पेट दर्द से परेशान था। इस दौरान उसने कई अस्पतालों में इलाज कराया और कई बार भर्ती भी हुआ लेकिन बीमारी की सही वजह सामने नहीं आ सकी। दर्द लगातार बढ़ता गया और उसकी स्थिति गंभीर होती चली गई। आखिरकार परिजन उसे शिवाय हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां विशेषज्ञ जांच शुरू की गई। शिवाय हॉस्पिटल में गैस्ट्रो सर्जन डॉ. हिमांशु कोल्हे की देखरेख में सीटी स्कैन और अन्य जांच कराई गई। जांच में पता चला कि मरीज के पैंक्रियाज के ऊपर बड़ा पैनक्रिएटिक सूडोसिस्ट बन चुका है, जिसमें लगभग 1 से 1.5 लीटर तरल पदार्थ जमा था। चिकित्सकों के अनुसार यह स्थिति लंबे समय तक अत्यधिक शराब सेवन के कारण उत्पन्न हुई थी और समय पर इलाज नहीं होता तो मरीज की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजनों की सहमति के बाद गैस्ट्रो सर्जन डॉ. हिमांशु कोल्हे ने लैप्रोटॉमी एवं सिस्टोगैस्ट्रोस्टॉमी जैसी जटिल सर्जरी की। ऑपरेशन के दौरान सिस्ट में जमा करीब डेढ़ लीटर तरल पदार्थ सुरक्षित बाहर निकाला गया। साथ ही भविष्य में दोबारा ऐसी समस्या न हो, इसके लिए सिस्ट की दीवार को पेट (स्टमक) से जोड़ दिया गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज खतरे से बाहर आ गया।

खबर संक्षेप

प्रतीक जैन होंगे जिला पंचायत के नए सीईओ

कोरबा। राज्य शासन ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत आईएएस अधिकारी प्रतीक जैन को जिला पंचायत कोरबा का मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इससे पहले वे बस्तर जिले में जिला पंचायत सीईओ के रूप में पदस्थ थे। आईएएस प्रतीक जैन छत्तीसगढ़ कैडर के वर्ष 2020 बैच के अधिकारी हैं। वे शिक्षा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट उपलब्धि रखते हैं। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी कॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की है तथा वे चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। प्रशासनिक दक्षता और वित्तीय प्रबंधन की मजबूत समझ रखने वाले अधिकारी के रूप में उनकी पहचान रही है। कोरबा में उनके कार्यभार संभालने के बाद जिला पंचायत की विकास योजनाओं, ग्रामीण अधोसंरचना, पंचायतों की कार्यप्रणाली और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

योजनाओं से जोड़ने चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा। जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित कटघोरा द्वारा 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारिता सप्ताह का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जिला यूनियन क्षेत्र को पोड़ी, चैतमा, पसान, जटगा एवं छुरी क्लस्टर में विभाजित कर विभिन्न जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंध संचालक कुमार निशांत के निर्देशन तथा नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा, उप प्रबंध संचालक की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान एमएसपी फॉर एमएफपी योजना के तहत लघु वनोपज का निर्धारित मानकों के अनुरूप संग्रहण एवं शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विक्रय करने के लाभों की जानकारी दी गई। बताया गया कि इससे संग्राहकों एवं हितग्राहियों को उचित मूल्य मिलने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रबंधकों एवं फड़ मुंशियों को अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ने तथा वन धन विकास केंद्रों एवं प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों के लिए गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पाम मॉल के सीढ़ी पर चढ़ाई स्कार्पियो, मामला दर्ज

कोरबा। शहर में रसूखदारों और रईसजादों के लिए कानून का डर जैसे पूरी तरह खत्म हो चुका है। 6 जुलाई की रात करीब 1 बजे टीपी नगर स्थित मॉल में बिलासपुर के कथित ठेकेदार रमन ने सरेआम शराब के नशे में धुत होकर अपनी स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी 10 सीडी 0513 को सीधे मॉल के मुख्य प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर चढ़वा दी। मॉल के सुरक्षाकर्मियों ने गाड़ी को पार्किंग में खड़ा करने को कहा तो उनसे वाद विवाद करने लगा। मामले में सीएसईबी चौकी प्रभारी एसआई राजेश तिवारी ने सुरक्षा सुपरवाइजर की शिकायत पर स्कार्पियो वाहन को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर धारा 281 बीएनएस व 184 एमव्ही एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

नशा मुक्ति केंद्र का निर्धारित क्षमता अनुरूप प्रभावी संचालन हो

कोरबा। जिले में नशा मुक्त वातावरण तैयार करने तथा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए नशे की रोकथाम, जनजागरूकता तथा तंबाकू नियंत्रण से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश नाग, अपर कलेक्टर देबेन्द्र पटेल, एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, ओएसडी तरुण कुमार किरण, सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग को जिले के सभी शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों में तंबाकू निषेध संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएं तथा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हर 15 दिन में मरम्मत कर सुगम आवागमन सुनिश्चित करें

निर्माणाधीन सड़कों का कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में सड़क अधोसंरचना को बेहतर बनाने और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज ध्यानचंद चौक से रूमगरा होते हुए बालको के बजरंग चौक तथा रिसदा चौक से रिसदी चौक तक निर्माणाधीन सड़क का पैदल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दुदावत ने सड़क पर उतरकर निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया तथा हाल ही में हुई बारिश के कारण प्रभावित हुए हिस्सों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य पूर्ण होने तक आम नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए सड़क की स्थिति का नियमित निरीक्षण करते हुए प्रत्येक 15 दिन में आवश्यक मरम्मत कर आवागमन को सुचारु बनाए रखा जाए, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ध्यानचंद चौक से रिसदी चौक तक लगभग 5.74 किलोमीटर लंबी निर्माणाधीन सीसी सड़क का कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और कार्य में तेजी लाते हुए इसे शीघ्र पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ढेंगुरनाला-बेलगिरी पुल का भी अवलोकन किया। पुल की वर्तमान स्थिति एवं आवश्यक मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवागमन प्रभावित न हो, इसके लिए प्रस्तावित रपटा निर्माण एवं परिवर्तित मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को वैकल्पिक मार्ग के निर्माण के लिए शीघ्र विस्तृत प्राक्कलन (एस्टीमेट) तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक स्वीकृति के बाद कार्य प्रारंभ किया जा सके।

ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक बालको तक बनेगी टू लेन सड़क

ध्यानचंद चौक से बालको के बजरंग चौक तथा रिसदा से रिसदी चौक तक कुल 5.74 किलोमीटर सड़क को टू-लेन सीसी सड़क के रूप में विकसित करने के लिए जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से लगभग 29 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। सड़क निर्माण का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। वहीं ढेंगुरनाला एवं बेलगिरी पुल के मरम्मत कार्य के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है और शीघ्र ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

रोड से आधा फुट ऊंचा बना है कल्वर्ट, आवागमन में परेशानी

ऊंचे कल्वर्ट से गायत्री मंदिर रोड में हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बालकोनगर जोन अंतर्गत गायत्री मंदिर रोड में पानी निकासी के लिए बनाए गए कल्वर्ट से जल भराव की समस्या से निजात मिल गया है। किन्तु रोड से लगभग आधा फुट ऊंचा कल्वर्ट बनाए जाने से आवागमन में परेशानी खड़ी हो गई है।

बालको नगर क्षेत्र से कोरबा जाने-आने का मुख्य मार्ग भदरापारा-लालघाट सड़क गड्ढों से भर गई है और मिश्र मेडिकल स्टोर्स के पास बना कलवर्ट इतना ऊंचा है कि वाहन पलटने का खतरा बना हुआ है। इस समस्या को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता रामकिशोर शर्मा ने नगर पालिक निगम, कोरबा के आयुक्त को पत्र लिखकर जनहित में तुरंत मरम्मत कराने की मांग की है। अधिवक्ता शर्मा ने अपने आवेदन में बताया कि बालको से कोरबा का यही एकमात्र सुगम मार्ग है, लेकिन बड़े-बड़े गड्ढों के कारण सड़क चलने लायक नहीं बची। साथ ही नाली निर्माण के समय बनाए गए कलवर्ट को सड़क से बहुत ऊंचा बना दिया गया है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन गुजरने में दिक्कत हो रही है। रात के समय यह और भी घातक साबित हो रहा है। बारिश में गड्ढों में पानी भर जाने से गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे पैदल चलने वाले और वाहन चालक दोनों के लिए यह मार्ग जानलेवा बन गया है। मार्ग पर अव्यस्थित खड़े वाहनों और भारी हाईवा के आवागमन से स्कूली बच्चों व कर्मचारियों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है।

निर्माणाधीन कल्वर्ट।

रिस्दी ढेंगुरनाला पुल हुआ जर्जर

बालको से रिस्दी की ओर जाने वाले ढेंगुरनाला पुल में बना पुल वर्तमान में बारिश के पानी के भरने से जर्जर हो चुका है। पुल का एक हिस्सा कुछ नीचे धंसने से भारी वाहनों के साथ छोटे वाहनों को निकालने में समस्याएं सामने आ रही हैं। सोमवार को हुई दिनभर बारिश से पुल की जर्जर हालत देखकर अधिकांश छोटे वाहन चालक मार्ग से आवागमन नहीं कर रहे थे। वहीं भारी वाहनों का कुछ देर के लिए जाम लग गया था।

दो दिन की बारिश में उखड़ गई छातासराई की सड़क

ग्राम पंचायत माखुरपानी के आश्रित ग्राम छातासराई की सड़क पहली ही बारिश में बदहाल हो गई है। सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि ग्रामीणों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। जगह-जगह कीचड़ और गहरे गड्ढे बनने से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में भारी लापरवाही और गुणवत्ता से समझौता किया गया, जिसके कारण महज दो-तीन दिन की बारिश में ही पूरी सड़क की वास्तविकता सामने आ गई।

मछली पकड़ने गए अधेड़ की डूबने से मौत, 48 घंटे बाद मिली लाश

नदी से शव को बाहर निकालते रेस्क्यू टीम।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कटघोरा क्षेत्र में लगातार बारिश के बीच नाले में बह गए एक ग्रामीण का शव 48 घंटे बाद बरामद किया गया।

खास बात
- एसडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने चलाया सर्च आपरेशन

डिंडोलभाठा गांव निवासी बंधु लोहार मछली पकड़ने के दौरान तेज बहाव में बह गए था। पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने कई 48 घंटों की मशक्कत के बाद शव बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डिंडोलभाठा निवासी बंधु लोहार (52 वर्ष) सोमवार की सुबह करीब 10 बजे गांव के पास स्थित नाले में मछली पकड़ने गया था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जिसके बाद परिजनों ने मंगलवार को कटघोरा पुलिस को सूचना दी। मामले में संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी मोतीलाल पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नाले में तेज बहाव के कारण रेस्क्यू में दिक्कत आने पर एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। मंगलवार को पूरे दिन सर्च ऑपरेशन चला, लेकिन अंधेरा और तेज बहाव के कारण अभियान रोकना पड़ा। बुधवार सुबह एसडीआरएफ और पुलिस ने दोबारा तलाश शुरू की। कई घंटे की मशक्कत के बाद बंधु लोहार का शव नाले से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बदहाल हुआ सर्वमंगला चौक का सौंदर्यीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार विभिन्न चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है लेकिन शहर के प्रमुख प्रवेश द्वार सर्वमंगला चौक की स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है।

सौंदर्यीकरण के तहत यहां स्थापित की गई ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करती मूर्तियां आज उपेक्षा का शिकार हैं। मूर्तियों के आसपास बड़े-बड़े घास-फूस और झाड़ियां उग आई हैं। कई स्थानों पर संरचनाएं भी जर्जर होती दिखाई दे रही हैं, जिससे पूरे स्थल की सुंदरता फीकी पड़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से इस परिसर की न तो नियमित सफाई हुई है और न ही रखरखाव। परिणामस्वरूप शहर में प्रवेश करने वाले लोगों के सामने कोरबा की पहली तस्वीर बदहाल नजर आती है। एक ओर निगम आयुक्त के निर्देशन में शहर के भीतर कई स्थानों पर सौंदर्यीकरण और स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं शहर के प्रवेश द्वार पर स्थित इस महत्वपूर्ण स्थल की अनदेखी कई सवाल खड़े करती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महीनों से निगम के अधिकारी यहां निरीक्षण के लिए भी नहीं पहुंचे हैं। नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि सर्वमंगला चौक स्थित मूर्तियों और परिसर की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए, झाड़ियों को हटाकर हरियाली को व्यवस्थित किया जाए तथा आवश्यक मरम्मत और रंग-रोगन कर इस स्थल को फिर से आकर्षक बनाया जाए, ताकि शहर में प्रवेश करने वाले लोगों पर कोरबा की सकारात्मक और सुंदर छवि बने।

बदहाल सर्वमंगला चौक।

15 सितंबर तक चलेगा वृहद पौधरोपण अभियान

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने समय-सीमा की बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न योजनों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। 15 सितंबर तक पौधरोपण अभिान चलाने कहा।

कसनिया चौराहा अब होगा नए स्वरूप में तैयार
अतिक्रमण पर प्रशासन का चला बुलडोजर

अतिक्रमण की कार्यवाही करते प्रशासन की टीम।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

जिले को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए शासन ने कमर कसी है। शहरी क्षेत्र में कई स्थानों पर इस तरह की कार्रवाई के बाद कटघोरा-अमरकंटक मार्ग पर कसनिया चौराहे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। बीते वर्ष मुख्यमंत्री ने सहस्त्रबाहु चौराहा का भूमिपूजन करने के साथ कटघोरा के विकास को लेकर घोषणाएं की थी। नगरीय प्रशासन ने मुख्यमंत्री की घोषणा के कार्यान्वयन के संबंध में योजना को आगे बढ़ाया और इस दिशा में काम शुरू किया।

ज्ञात हो कि चौराहे के विकास की घोषणा के समय तक यहां इक्का-दुक्का अवैध निर्माण थे। सबकुछ जानते हुए भी यहां सरेआम अतिक्रमण के मामलों में बढ़ोत्तर हुई। सरकारी जमीन को कब्जाने और बाद में अपना दावा ठोकने के लिए लोगों ने उत्साह दिखाया। समय रहते ऐसे प्रयासों को हतोत्साहित करने की जरूरत नहीं समझी गई। इतना जरूर है कि कुछ मौकों पर ऐसे लोगों को नोटिस दिए गए, उन्होंने इसे हल्के में लिया। जानकारी के अनुसार हाइवे पर चौराहे की स्थिति और आसपास में बड़ी संख्या में अवैध निर्माण होने से ब्लैक स्पॉट की तस्वीर बनी थी। ऐसे में विभिन्न दिशाओं से आवाजाही करने वाले वाहनों को देखे जाने में दिक्कत थी। कई बार इस फेर में हादसे भी हुए। इधर मुख्यमंत्री की घोषणा को मूर्तरूप भी दिया जाना था इसलिए अंतिम रूप से अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए और खुद होकर हटने को कहा गया। कटघोरा नगर पालिका प्रशासन व पोंडी उपरोड़ा राजस्व विभाग हरकत में आया। पोड़ी उपरोड़ा तहसीलदार विनय देवांगन के साथ नगर पालिका के सीएमओ मुद्रिका प्रसाद तिवारी व अन्य अधिकारी, नगर पालिका के कर्मचारी और पुलिस बल ने यहां पर मौजूदगी दर्ज कराई। कार्रवाई तय मानकर यहां अवैध रूप से काबिज लोगों ने अपने सामानों को हटाने में रूचि ली। दोपहर तक यह सब चलता रहा। प्रशासन ने मौके पर शत-प्रतिशत तोडफ़ोड़ के लिए बुलडोजर की व्यवस्था करा ली। कहा गया कि इसे हर हाल में पूरा साफ किया जाएगा ताकि सहस्त्रबाहु चौराहा के लिए घोषित क्षेत्र तैयार हो सके। इसके आसपास की सडक़ को भी ठीक किया जाना है। आज की कार्रवाई के जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि अवैध निर्माण चाहे कोई करे और कहीं भी करे, वह किसी भी रूप से स्थाई नहीं रहेगा। ऐसे मामलों में विनष्टीकरण तय है।

TOP IN KORBA
GURUKRIPA COLLEGE
ADMISSION GUIDENS 2026-27
SC/ST/OBC FEE Discount 20%

SN.	Cours	Duration	Qualification
1.	BMLT (बेचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	3 Year	12th Bio
2	DMLT (डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नीसियन)	2 Year	12th Bio
3.	B.Sc Nursing (बेचलर ऑफ साइंस)	4 Year	12th Bio
4.	OT (ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट)	2 Year	12th Bio
5.	B. PHARMA, D. PHARMA (डिप्लोमा इन फार्मेसी)	4 & 2 Year	12th Bio & Maths

Kamla Complex, Nehru Chowk, Bilaspur 07752-796378, 9329528463, 9329536742

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग • मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड • अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

कोरबा मार्केट

गुप्त रोग
विशेषज्ञ से स्त्री-पुरूष मिले 100% गांरटी
आयुर्वेद ईलाज
नामर्दी, शीघ्रपतन स्वप्नदोष, धातु, पतला, पेशाब के साथ धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन, सिपलिस, गनौरिया, चर्मरोग इत्यादि सभी प्रकार के गुप्तरोग का ईलाज किया जाता है।
20 वर्षों से स्थाई
बिना ऑपरेशन गारंटी ईलाज अण्डकोष बवासीर, भगंदर
देशी, विदेशी लिंगवर्धक यंत्र उपलब्ध है।
मां सर्वमंगला क्लीनिक
डॉ. आर.के. बंगाली, नया बस स्टैंड रोड पर बंगाली चाल ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा मो. 9074665998

स्वास्थ्य सेवा में बनाएं अपना सुनहरा भविष्य
सिद्धि विनायक हॉस्पिटल एण्ड पैरामेडिकल कॉलेज
मान्यता प्राप्त एवं परिषद से संबद्ध, MP PARAMEDICAL COUNCIL से संबद्ध
पात्रता (ELIGIBILITY)
शैक्षणिक योग्यता 12 वीं पास (जीव विज्ञान विषय के साथ)
कोर्सेज (पाठ्यक्रम)
D.M.L.T. (2 वर्ष)
डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्नोलॉजियन
O.T. TECHNICIAN (1 वर्ष)
ऑपरेशन थियेटर टेक्नशियन
X-RAY TECHNICIAN (2 वर्ष)
एक्स-रे टेक्नशियन
07759-222211, 9993000683, 9109488443, 9425558441
सिद्धि विनायक हॉस्पिटल, प्लॉट नं. 52, कोसाबाड़ी, ब्लू बर्ड स्कूल के पीछे, कोरबा, छत्तीसगढ़

विद्यार्थी बचत योजना
कक्षा XI, XII, CBSE एवं CG की BA, B.Com, Bsc एवं MA, MCom, Msc, PET, NEET की पुरानी पुस्तकें लाइये एवं बदले में नई अथवा पुरानी पुस्तकें ले जाइये।
विद्यार्थी बुक डिपो
रेलवे ओव्हर ब्रिज के नीचे अग्रसेन चौक कोरबा, मो. 8817230745

खबर संक्षेप

कुदुरमाल में एक दिवसीय पंचगव्य गो उत्पाद प्रशिक्षण

कोरबा। कुदुरमाल क्षेत्र में संचालित जय मां भवानी गौशाला में एक दिवसीय गौ उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया था। जिसमें प्रान्त की गौ उत्पाद प्रशिक्षण प्रमुख लालिमा जायसवाल द्वारा देशी गौमाता के गोबर एवं गोमूत्र से विभिन्न उत्पाद बनाने की जानकारी दी गईं। गोमूत्र से गो अर्क बनाने की प्रायोगिक विधि बताए गए। इस कार्यक्रम में एक अनुभवी व्यक्ति निर्मलकर गुरुजी ढ़ेंगुरडीह द्वारा गौ अर्क के विभिन्न फायदे बताये गये एवं अन्य औषधियों की जानकारी दी गयी। गौमाता के संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में देश में संघ की सेवा प्रकल्प गौ सेवा गतिविधि विभिन्न आयामों में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में राज्य के विभिन्न जिलों में भी इस सेवा प्रकल्प के द्वारा लोगों को गौमाता के प्रति जागरूक किए जा रहे हैं, गौमाता के पंचगव्य दूध, दही, घी, गोबर, गोमूत्र से जैविक कृषि हेतु खाद निर्माण, कीटनियंत्रक, जीवामृत, घन जीवामृत, गोकृपा अमृतम आदि एवं धूपबत्ती, दंतमंजन, मच्छर अगरबत्ती, विभिन्न प्रकार के राखी, मूर्तियां, गो अर्क लगभग 150 उत्पाद बनाए जा रहे हैं। जो कि पर्यावरण की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान गौशाला अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले हितग्राहियों को दिया जा रहा प्रोत्साहन राशि

कोरबा। तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 की प्रोत्साहन पारिश्रमिक की राशि का वितरण कार्य का शुभारंभ 3 जुलाई से सहकारिता सप्ताह एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकारीता दिवस पर किया गया है। इसी परिपेक्ष्य में मुख्यमंत्री एवं वनमंत्री के मंशा अनुरूप जिला यूनियन कटघोरा के अंतर्गत 37 प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों में कुल 54433.695 मानक बोरा तथा कुल 52 हजार 3 सौ हितग्राहियों को 12 करोड़ 34 लाख 12 हजार 185 रूपये वर्ष 2023 सीजन के प्रोत्साहन पारिश्रमिक की राशि सीधे खाते में दी गई।

पशु धन विकास विभाग ने 3 माह पहले भेजा था प्रस्ताव

बनाना था 12 गोधाम, 8 को मिली स्वीकृति, उसमें भी दो पड़े विवादों में

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जमीन विवादों और ग्रामीणों की आपत्ति की वजह से शासन की ओर से स्वीकृत 8 गोधामों में 2 के मामले विवादों में होने के कारण मैदानी स्तर पर शासकीय योजनाओं के अमल पर अड़चनें पैदा हो रही हैं। 4 माह पूर्व विभाग के द्वारा शासन को भेजे गए 12 गोठानों को गोधाम बनाने के प्रस्ताव पर अब जाकर स्वीकृति मिली है।

पाली विकासखंड अंतर्गत पूर्व कांग्रेस सरकार के समय ग्राम पंचायत केराझरिया में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा शुभारंभ किया गया आदर्श गोठान को शासन की ओर से गोधाम बनाए जाने की स्वीकृति मिली है। बड़े तामझाम के साथ गोठान की शुरुआत हुई थी। किन्तु सरकार बदलने के बाद से लंबे समय तक गोठानों के विषय पर कोई कार्य योजना नहीं बनने से ऐसे गोठानों के कीमती सामान चोरी चले गए। वहीं गोठान भी बेजान नजर आने लगे थे। ऐसे गोठानों को गोधाम बनाने के संबंध में राज्य शासन के द्वारा पशु धन विकास विभाग से प्रस्ताव मांगा गया था। विभाग के द्वारा जिले से 12 गोठानों को गोधाम बनाए जाने का प्रस्ताव दिया। पहले चरण में शासन की ओर से महज 3 गोठानों को गोधाम बनाने की स्वीकृति दी गई थी। उसमें भी दो गोठानों के मामले ग्रामीणों की आपत्ति की वजह से न्यायालय में चले गए और महज एक गोठान को ही गोधाम बनाने का काम शुरू हुआ। विभाग ने दूसरी बार शासन को स्मरण पत्र लिखकर पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव में अन्य गोठानों को गोधाम के लिए स्वीकृति देने मांग की। जिस पर 5 गोठानों को स्वीकृति मिली है। जिनमें सभी ब्लाक के एक एक गोठान शामिल हैं।

खास बात

- जमीन विवादों की वजह से शासकीय योजनाओं के अमल पर लग रही रोक

इनको मिली स्वीकृति

नए स्वीकृत गोधाम में पाली विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कपोत एवं ग्राम पंचायत केराझरिया के गोठान शामिल हैं। इसी तरह पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लेपरा के गोठान को स्वीकृति में शामिल किया गया है। इसी तरह कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत अमरपुर और ग्राम पंचायत छुरी के गोठाम को गोधाम बनाने की स्वीकृति दी गई है। छुरी के गोठान को गोधाम बनाने के लिए मां कोसगई समिति सामने आई है। इसी तरह अन्य विकासखंड में भी स्थानीय समितियों को ही प्राथमिकता दी जा रही है। उनके द्वारा काम नहीं किए जाने से अन्य समितियों को कार्य दिया जाएगा।

ये रहेंगी सुविधाएं

विभाग के द्वारा तैयार किए जाने वाले गोधाम का जो समितियां संचालन करेंगी उन्हें सभी व्यवस्थाएं रखनी पड़ेगी। शेड के निर्माण से लेकर मवेशियों के चारे, उनके उपचार की सुविधा तथा देखरेख के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति भी समितियों को ही करना पड़ेगा। ग्राम पंचायत की ओर से बिजली एवं अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जाएंगी। नेशनल हाइवे के समीप तैयार होने वाले गोधामों में आवारा मवेशियों को भी रखने की जिम्मेदारी गोधाम के संचालन करने वाली समितियों की होगी। एनएच में कई बार आवारा मवेशियों की वजह से घटनाएं हो चुकी हैं। जिसके मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

5 और गोधाम बनाने की मिली स्वीकृति

पूर्व में 12 गोठानों को गोधाम बनाने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसके पहले चरण में 3 गोठानों की स्वीकृति मिली थी। बाद में विभाग के द्वारा दोबारा पत्र लिखा गया, इस पर 5 और गोठान को गोधाम बनाने की स्वीकृति दी गई है। जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

-एसएन मिश्रा,
उप संचालक पशुधन विकास विभाग

कॉलोनी में गिरा पेड़, बाल-बाल बचे बच्चे

कोरबा। एचटीपीएस की कैलाश विहार 11 ब्लॉक कॉलोनी में तीन विशालकाय पेड़ जड़ से उखड़कर धराशायी हो गए। इनमें से एक पेड़ सीधे एक वाहन गैरेज पर जा गिरा, जिससे गैरेज पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के समय घर के बाहर बच्चे खेल रहे थे। अचानक पेड़ गिरने की तेज आवाज सुनकर बच्चे और आसपास मौजूद लोग सुरक्षित स्थान की ओर भागे। संयोगवश बड़ा हादसा टल गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

हरिभूमि नं. 1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

online Booking:-www.tripuryatra.com

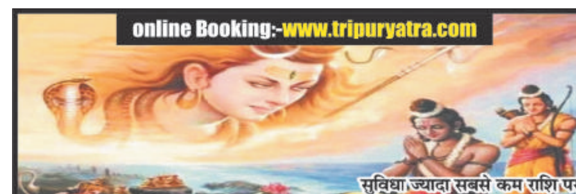

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)
कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी
राशि :- स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

Education CG SPECIAL Hub

कोटा स्टडी सर्किल ब्रांच भिलाई तथा रायपुर में ड्रापर नीट, जेईई एवं पी.ई.टी. के अंतिम बैचेस में प्रवेश प्रारंभ

IIT-JEE Mains/ Advance Star Performers

NEET Star Performers

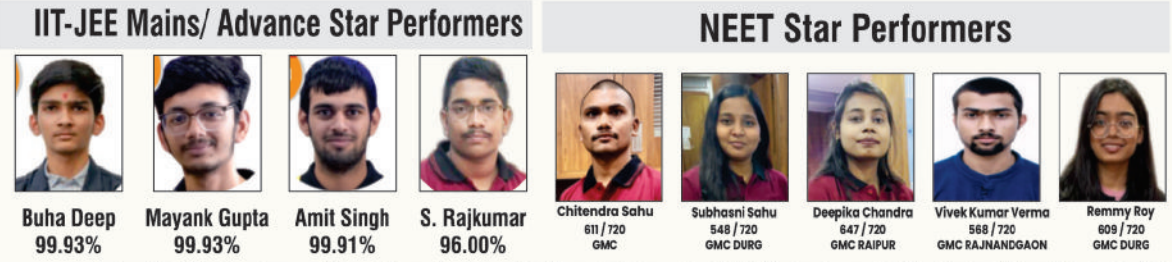

कोटा स्टडी सर्किल भारत सरकार के द्वारा रजिस्टर्ड एवं आइसो सर्टिफाइड तथा राजस्थान से संबंधित एक उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान है। जहां विगत 17 वर्षों से नीट तथा जी ई ई के परीक्षाओं की तैयारी कोटा ट्रेंड एवं एवं बहुत ही अनुभवी टीम द्वारा फिजिक्स केमिस्ट्री बायोलॉजी एवं मैथ्स विषय की तैयारी गहनता से कराई जाती है। परिणाम स्वरूप यहां के छात्र अपनी अलग पहचान बनाते हैं। चाहे वह बोर्ड परीक्षाएं हो अथवा नीट एवं जीईई, कोटा स्टडी सर्किल ने विगत 17 वर्षों में राष्ट्र को होनहार डॉक्टर एवं इंजीनियर दिए हैं जो देश-विदेश में अपनी सेवाएं देकर अपने गुरुजन माता-पिता तथा संस्थान का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। कोटा स्टडी सर्किल की विशेषता है कि यहां हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही माध्यम के छात्रों के लिए समान सुविधा उपलब्ध होती हैं। यहां का स्टडी मेटरियल तथा ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज इतना अच्छा होता है कि 100% परसेंट क्वेश्चंस आने की संभावना होती है। क्योंकि इस तरह डिजाइन किया जाता है कि अगर क्वेश्चन पेपर बनाने वाला एग्जामिनर किसी भी तरह एंगल से क्वेश्चन पूछे तो वह बन जाए, यहां समय-समय पर आत्मआकलन करने के लिए नीट तथा जीईई बेस्ड मॉक टेस्ट कराए जाते हैं। जिसका छात्रों को फायदा होता है तथा ऐसे छात्र एवं छात्राएं जो कि घर अथवा हॉस्टल में पढ़ाई का माहौल न होने के कारण डिस्टर्ब रहते हैं उनके लिए कोटा स्टडीज सर्कल में एक बेहतरीन लाइब्रेरी उनके पढ़ने के लिए व्यवस्थित की गई है। तथा डीपी पी की प्रैक्टिस कक्षा में ही कर दी जाती है।

जिससे कि वह आने वाले क्वेश्चंस के लिए पहले से तैयार रहते हैं। एवं समय रहते खुद को प्रिपेयर कर पाते हैं। कोटा स्टडी सर्किल की विशेषता है कि यहां क्लास में क्लास के साथ-साथ ही डीपीपी के थ्रू छात्रों को आने वाली परीक्षाओं की पहले से तैयारी कराई जाती है। कोटा स्टडी सर्किल में बाहर से आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए गर्ल्स तथा बॉयज के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल तथा रहने के साथ-साथ मैस की सुविधा का भी ध्यान रखा जाता है। यहां फीस भी बहुत ही उचित ली जाती है जिससे कि पेरेंट्स के ऊपर कोई अतिरिक्त वर्णन ना आए।

यहां पर आपको माहौल देखने को मिलेगा की आपका बच्चा भिलाई अथवा रायपुर पढ़कर ही राजस्थान कोटा अथवा दिल्ली में स्थित सारी सुविधाओं को छत्तीसगढ़ के भिलाई तथा रायपुर में रहकर प्राप्त कर रहा है।

कोटा स्टडी सर्किल में ड्रॉपर बैजेस 12 तथा 15 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहे हैं। जहां प्रत्येक बैच में लिमिटेड सीट रखी गई है।

पलक रायपुर में आरसी कॉलेज के सामने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बाजू में कोटा स्टडी सर्किल तथा भिलाई में न्यू सिविक सेंटर कोटा स्टडी सर्किल में आकर संपर्क कर सकते हैं।

TM Registration No. 3091296
ISO CERTIFIED 9001 : 2008 CERTIFIED INSTITUTE
KOTA STUDY CIRCLE®
Where we shape the career

नीट तथा JEE के पृथक-पृथक बैच, हिन्दी तथा अंग्रेजी के पृथक-पृथक बैच
कोटा स्टडी मटेरियल ऑल इण्डिया टेस्ट सिरीज गर्ल्स तथा ब्यायस के पृथक-पृथक बैच

X & XII Result

कोटा रायपुर ब्रांच : R.K.C. कालेज के सामने, जी.ई.रोड रायपुर
कोटा भिलाई ब्रांच : बि. नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
Contact : 90985 34927, 79877 91795

अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण द्वारा 10वीं, 12वीं एवं स्नातक छात्राओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत एफएसडीएमआई भिलाई मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धत् कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी आफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (डीआरडीओ), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है।

संस्था एफएसडीएमआई भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्याथियों को सरकलो प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएना प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (एससी, एसटी, ओबीसी, जनरल) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी।

8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नाकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु प्रवेश प्रारंभ (2025-2026)

AVAILABLE COURSES
- Fire Technology & Industrial Safety
- Industrial Safety Management
- Health Sanitary Inspector
- Sub Fire Officer
- B.sc in Fire, safety
- PG in Fire Technology & Industrial Safety
- Certificate in Fireman
- (PDIS) POST DIPLOMA in Industrial safety
- (ADIS) ADVANCE DIPLOMA in Industrial safety

गरीब निम्न वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण शुल्क में छूट
एडमिशन हेल्पलाइन : 76972-12782
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
मान्यता प्राप्त संस्था भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) निजी प्रशिक्षण संस्थान
1- FSDMI कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, गदा चौक, नजदीक अंबेडकर चौक, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
2- FSDMI कैंपस :- प्लॉट नंबर 766 वार्ड-11, दशहरा मैदान के सामने, शांति नगर, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490023
fsdmi cg fsdmi bhilai fsdmi_bhilai
12 वर्षों से आपकी सेवा में

रोजगार हेतु व्यवसायिक प्रशिक्षण कम शुल्क में संपूर्ण तकनीकी शिक्षा

एस. एम. उमक

बेरोजगारों के उज्जवल भविष्य के लिए अल्प समय में रोजगारोन्मुखी व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु पावर हाउस भिलाई में स्थित 39 वर्ष पुरानी इंदु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट एक अति विश्वसनीय संस्था है। जो आईएसओ 9001-2015 से प्रमाणित है। जहां प्रेक्टिकल आधारित कोर्स कराये जाते हैं। अतः प्रशिक्षण के बाद प्रेक्टिस करने की आवश्यकता नहीं होती है जिनका लाभ लेते हुए प्रतिवर्ष सैकड़ों बेरोजगार अपने पैरों पर खड़े होकर समाज और परिवार में सम्मान हासिल कर रहे हैं। संस्था छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करती है साथ ही इनकी नौकरी हेतु भी प्रयास करती है। संस्था में समय-समय पर तकनीकी कंपनियां तथा प्लेसमेंट एजेंसी जॉब हेतु संपर्क स्थापित करती है। इस तरह छात्रों को नौकरी भी प्राप्त हो जाती है। संस्था में मोबाईल हार्डवेयर/ सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रीकल, फ्रिज-एसी, इन सभी विषयों का प्रेक्टिकल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। इंदु टेक्निकल इंस्टीट्यूट एकमात्र संस्था है जो तकनीकी प्रशिक्षण में कम्प्यूटर के आधुनिक एनीमेशन का उपयोग करती है इससे कोर्स सरलता से छात्र-छात्राओं की समझ में आ जाते हैं चूंकि सभी कोर्स प्रेक्टिकल आधारित है तथा प्रत्येक छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत प्रेक्टिकल दिया जाता है अत: शैक्षणिक योग्यता का कोई मापदंड नहीं है किसी भी स्तर के छात्र-छात्राएं इन कोर्सेस को सरलता से पूर्ण कर सकते है। यदि छात्र-छात्राएं निश्चित अवधि में कोर्स पूर्ण नहीं कर पाते है और उन्हें अतिरिक्त समय भी लगता है तो अतिरिक्त समय हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता अर्थात छात्र जब तक संतुष्ट नहीं हो जाता तब तक बिना अतिरिक्त शुल्क लिए कोर्स कराया जाता है। इसके अतिरिक्त भविष्य में छात्र-छात्राओं को कोर्स से संबंधित समस्या आने पर वह नि:शुल्क परामर्श ले सकते है। संस्था द्वारा कोर्स के पश्चात भी तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाता है सभी कोर्स सरल हिन्दी में कराए जाते हैं प्रशिक्षण अवधि में छात्रों को प्रेक्टिकल हेतु संपूर्ण सामग्री टूल्स एवं मटेरियल संस्था द्वारा दिया जाता है जिससे पालक पर ट्यूशन फीस के अतिरिक्त कोई बोझ नहीं होता। फीस के बारे में कहा जा सकता है कि जेब खर्च के बराबर फीस अर्थात् अत्यंत कम शुल्क में ये कोर्स कराये जाते हैं। संस्था में प्रेक्टिकल से भरपूर प्रशिक्षण का लाभ लेने के लिए यहां संपूर्ण छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश, हिमांचल प्रदेश, उड़ीसा आदि के साथ-साथ नेपाल से भी छात्र आते हैं। बाहरी छात्रों हेतु संस्था का छात्रावास है। संस्था पावर हाउस बस स्टैंड एवं पावर हाउस रेलवे स्टेशन से अत्यधिक नजदीक होने से रायपुर, तिल्दा नेवरा, भाटापारा, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, दल्ली राजहरा रेल लाईन तक के प्रशिक्षणार्थी अप-डाउन कर कोर्स करते हैं। संस्था अपने सभी तकनीकी कोर्स पार्ट-टाईम अथवा फूलटाईम में संचालित करती है। जिससे नौकरी करने वाले शिफ्ट के अनुसार समय परिवर्तित कर प्रशिक्षण ले सकते हैं। प्रतिदिन 1.30 घंटे का समय देकर भी कोर्स किए जा सकते हैं। इस सेंट्रली एयर कुल्ड संस्था में प्रत्येक लैब में लगे कैमरों से संचालक द्वारा आडियो-विडियो मॉनिटरिंग की जाती है। इस तरह संस्था सभी दृष्टि से छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण हेतु दृढ़ संकल्पित एवं प्रयासरत है। जिसका लाभ उठाते हुए छात्र-छात्राएं कम फीस में भरपूर प्रेक्टिकल का लाभ लेते हुए आत्मनिर्भर हो सकते है एवं सबसे बड़ी बेरोजगारी की समस्या से निजात पा सकते है। नोट: महिलाओं हेतु विशेष व्यवस्था। संस्था में आने हेतु भिलाई पावर हाऊस के बस स्टैंड या पावर हाऊस स्टेशन पर उतरना होगा। संस्था की संपूर्ण जानकारी हेतु फोन करें।

(NGO सामाजिक संस्थाएं यदि युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते है तो संस्था उन्हें विशेष छूट और सहयोग प्रदान करती है।)

हमारी संस्था की कोई अन्य शाखा नहीं है।
www.indutechnical.com
मो.: 98271 94279
8770222654 74156 74157
पर संपर्क किया जा सकता है।

समय का सदुपयोग-आय का साधन-प्रशिक्षण जो रोजगार दिलाए

मोबाईल सर्विसिंग कोर्स
कोर्स में हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर में इलेक्ट्रानिक्स कम्पोनेट, कम्प्युटर ऑपरेटिंग, एंटी वायरस, सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन, टच स्क्रिन व एन्ड्राइड मोबाईल, अनलॉकिंग, फ्लेशिंग, कार्ड राइटिंग, ब्लू-टूथ मोबाईल ओपनिंग-फिटिंग, सोल्डरिंग-डिसोल्डरिंग, बॉल आई.सी., प्लाटिंग एवं फॉल्ट फाईडिंग करवाई जायेगी।

कम्प्यूटर हार्डवेयर
महानगरी स्तर की शिक्षा कम शुल्क में
कोर्स में लेपटॉप, डेस्क टॉप प्रिंटर, मॉनीटर, स्केनर, SMPS पावर सप्लाई रिपेयरिंग, बेसिक इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर असेम्बिलिंग एवं ट्रबलशूटिंग भी। भरपूर प्रेक्टिकल कम्प्यूटर से एनीमेशन द्वारा विशेष जानकारी।

इलेक्ट्रिकल कोर्स
वायरिंग, मोटर रिवाइंडिंग (1/2 से 27 एच.पी. तक) एवं घरेलु उपकरण वाशिंग मशीन मिक्सी, गिजर, कूलर, पंखे, लाईट, डेकोरेशन, जेट पंप, मोनो ब्लॉक पंपसेट, सबमर्सिबल पंप, टुल्लु पंप, मोटर स्टॉटर, पेनल बोर्ड, वेल्डिंग ट्रांसफारर्मर आदि का गारंटेड प्रशिक्षण।

इलेक्ट्रानिक्स कोर्स
एफ.एम. रेडियो, इंडक्शन चूल्हा, एलईडी, एलसीडी एवं सीआरटी टीवी पर प्रेक्टिकल आडियो, विडियो एमपी-3 सीडी प्लेयर, डीवीडी, होम थियेटर, डी.टी.एच., सिस्टम, इन्वर्टर का गारंटेड प्रशिक्षण।

फ्रीज व एसी कोर्स
फ्रिज (फ्रास्ट फ्री एवं नान फ्रास्ट), विंडो एसी, स्प्लीट एसी, ऑटो मोबाइल (कार) एसी, पैकेज (डक्टिंग) एसी, डीप फ्रीजर, चिल्ड वाटर सिस्टम, बॉटल कूलर, मिठाई के शोकेस का पूर्ण प्रेक्टिकल, गैस चार्जिंग सामान्य एवं आधुनिक गैस चार्जिंग स्टेशन दोनों पद्धतियों से।

छात्रावास सुविधा | स्थापना वर्ष 1987 | रविवार अवकाश

इन्दु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट
टी-मार्केट, पावर हाउस, भिलाई मो.: 98271-94279, 74156-74157